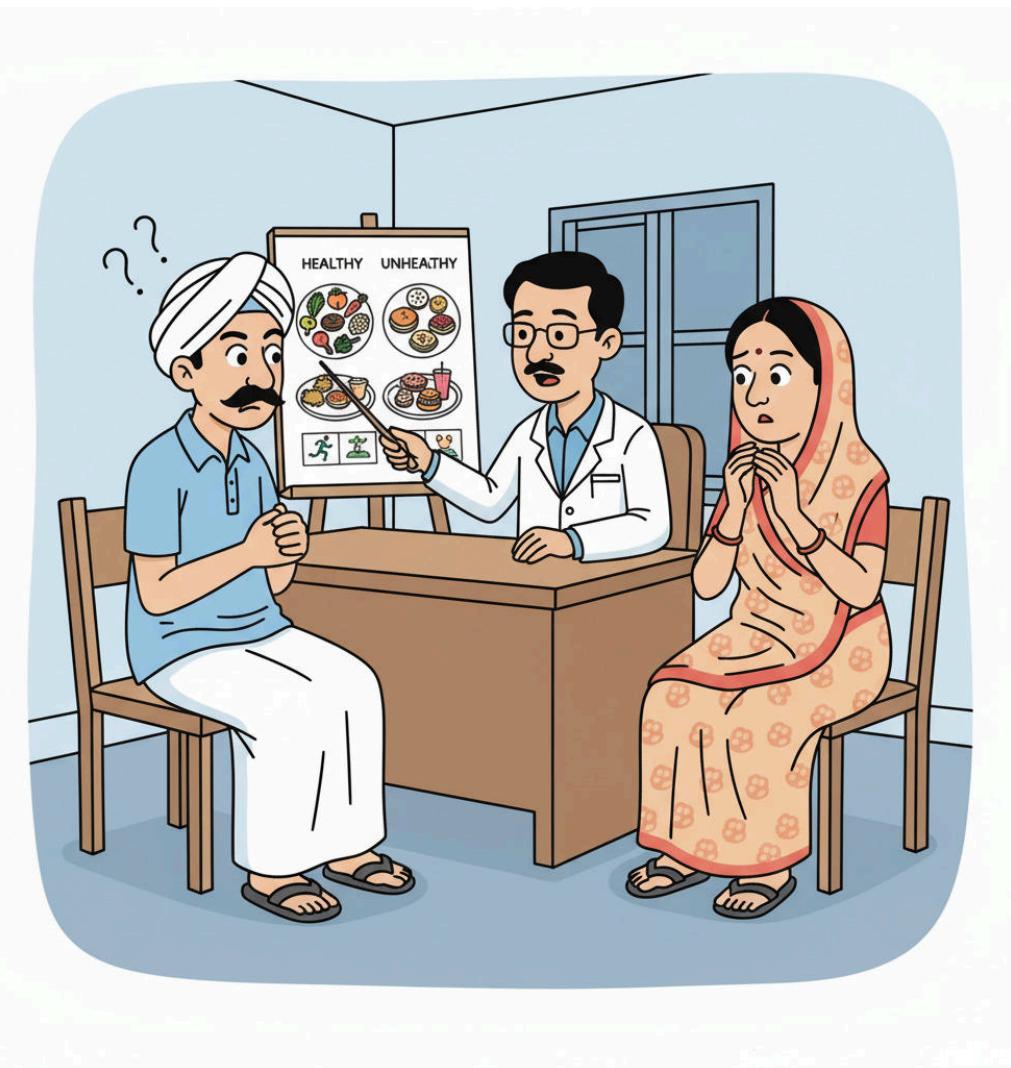


डाइबिटिज री बीमारी



डाइबिटिज री बीमारी

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

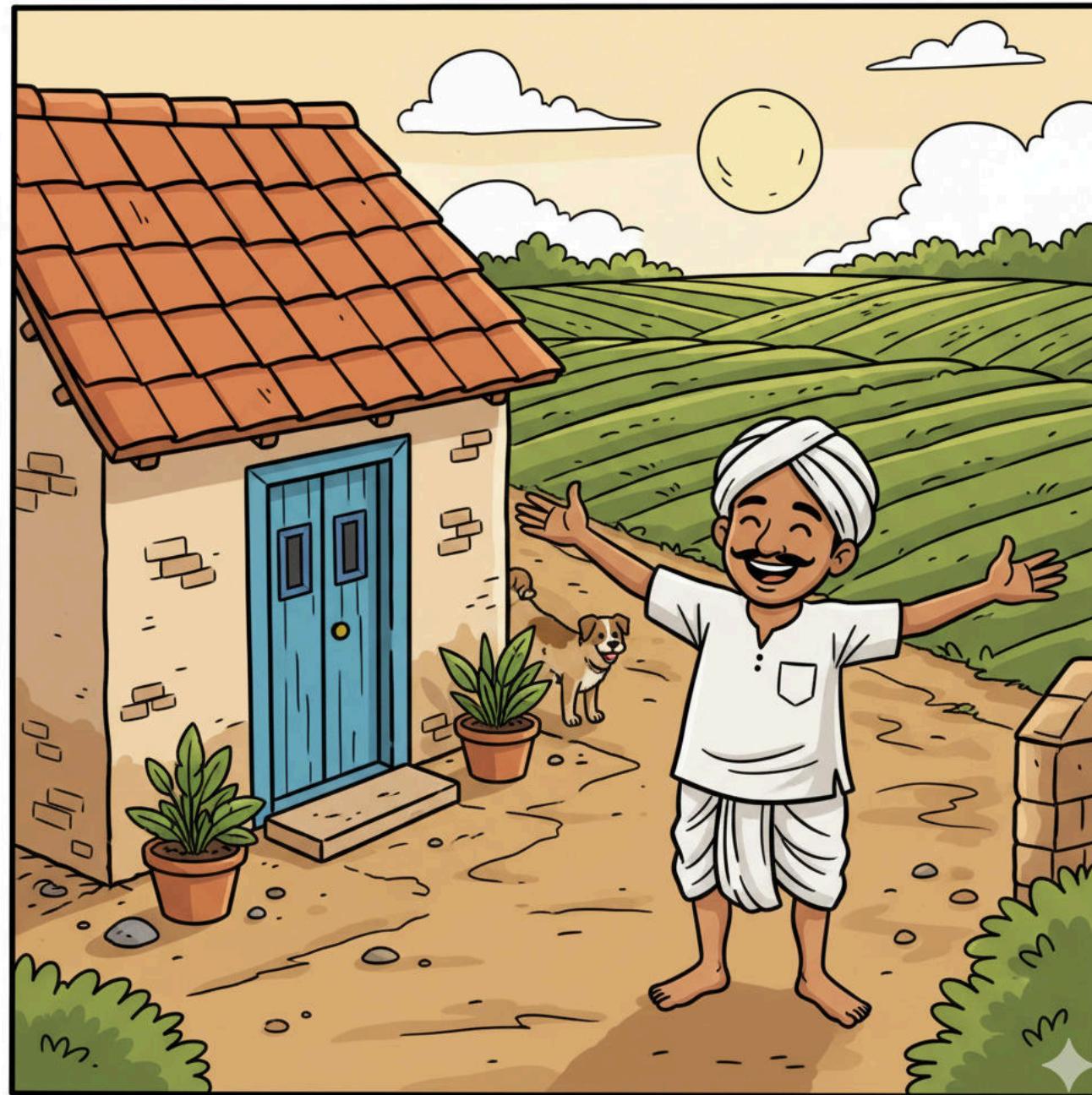
Big book in Bangani language
Community based Book

प्रकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बढ़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकि जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद ॥



एक गाउँ दि रामलाल नौऊँ रौ एक
माणूछ रौये थौ, सेउ एक मैनती किसान
थौ, सेउ हमेशाइ डोखरौउँ दि रौये थौ।
तेस्के काम कौरणौ बौडिया लागै थौ।
पर तेस मीठै पौकुवान रौ बौडौ शौक
थौ।



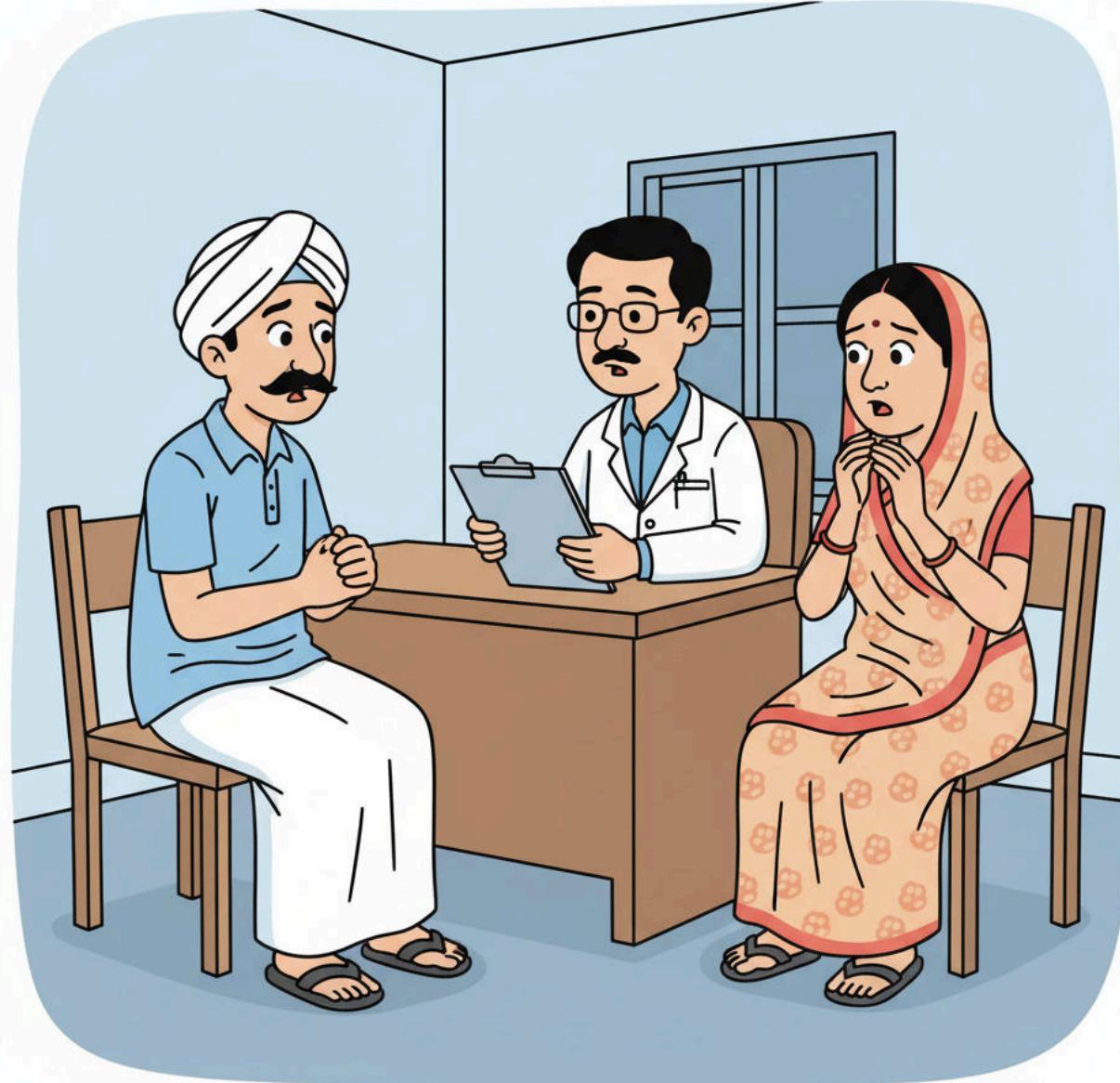
रामलाल हमेशाइ तिवार आणै रौ इंतजार
कौरे थौ, लाङू जौलेबी औजि गुलाब
जामुन तेसकै बौरी पसंद थै। तेसरी
छेउड़ रादा तेसखि अलग अलग
पौकुवान चाणै थी।



कुछ बौक्ते बासिये रामलाल आपड़ौ
शौरीर दि थौकान मैसूस रौ थौ कौरदै
लागी। तेस बार बार रौई थी चिश लाग्द
लागी। औज़ि तेसरौ बज़न बी रौ थौ
गौटदै लागी। तिणी सुँचौ कि एउ शाइद
मेरी उमरी रौ असर औलौ।



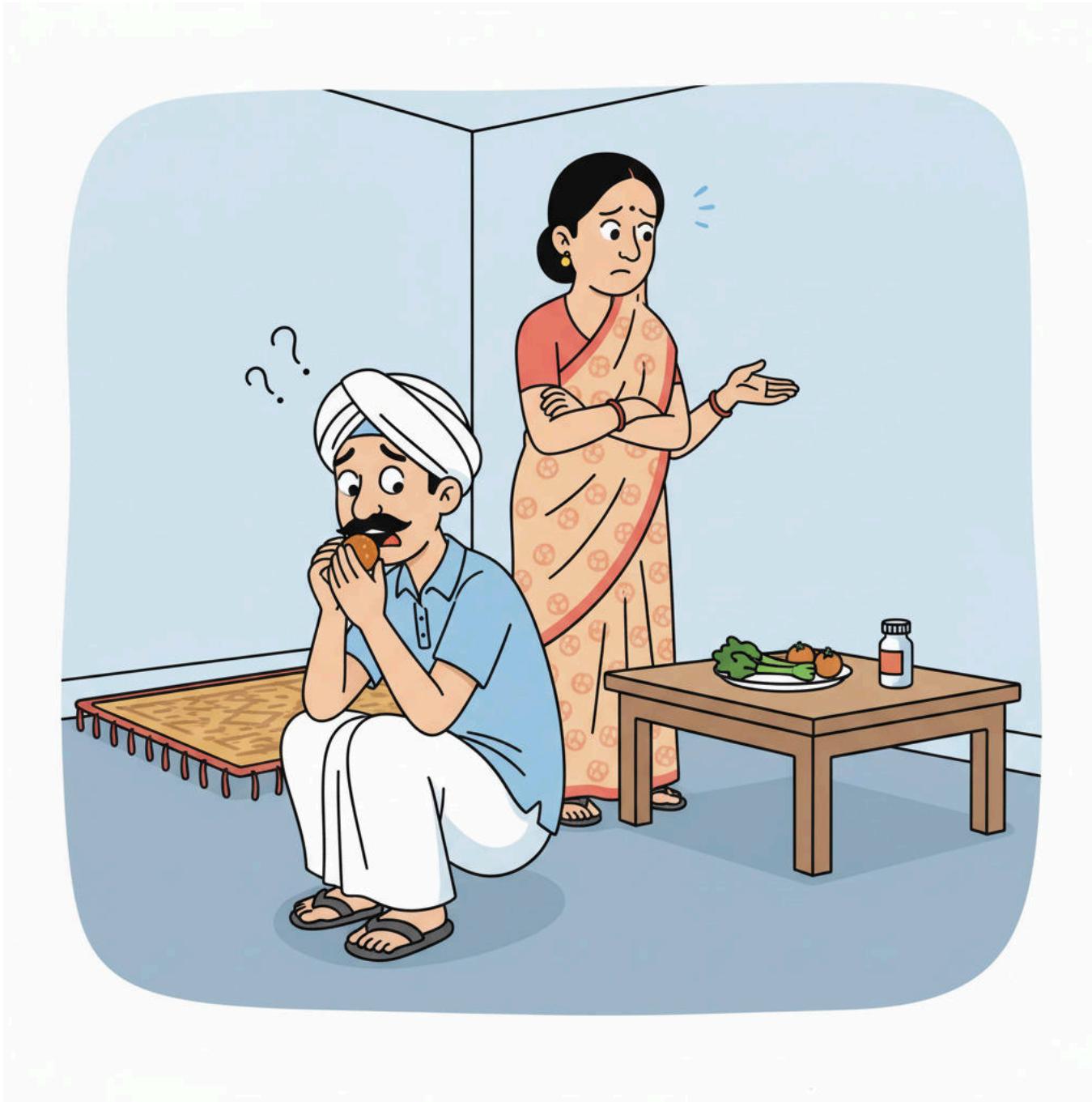
एक दूस डोखरेदि काम कौरदु बैरे सेउ
कुदरती रुझी मौरौ। गाउँ वाळौउँ सेउ
तेत्राइ डौकटर काइ गिणौ। डौकटरेइ
तेसरी जँच्च की।



जँच री रिपोर्ट देखियौ डॉक्टर की हैरान
उवौ। डॉक्टरेड बोलौ कि रामलालेड
डाइबिटिज उई गोई। एशौ शुणियौ
रामलाल औज़ि राद हैरान उवै।



डॉक्टरेड से सौमज़ाये कि डाइबिटिज़
का आये। डॉक्टरेड बोला कि डैबिटिज़
माझं खाणे पिणे दि बौरी पौरेज़ जा
कौरणे। आज़ि व्यायाम कौरणे री सौला
बी देणी। रामलाल के एऊ सारौ काफी
मुश्किल लागौ।



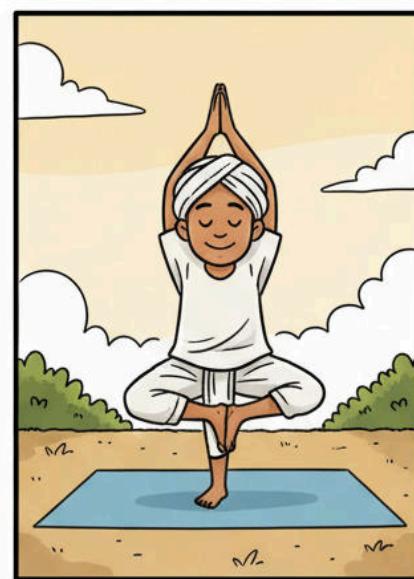
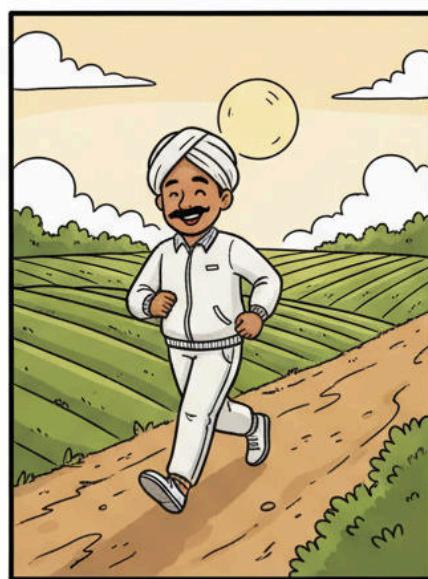
शुरुआती दि रामलालोइ दुवाइए औज़ि
पौरेज़ दि ज़ादा दियान ना देणौ, तेस
मीठौ खाणे री लागै थी। औज़ि रादा तेस
सौमज़ाणेरी कौशिश कौरे थी पर सेउ ना
मानै थौ।



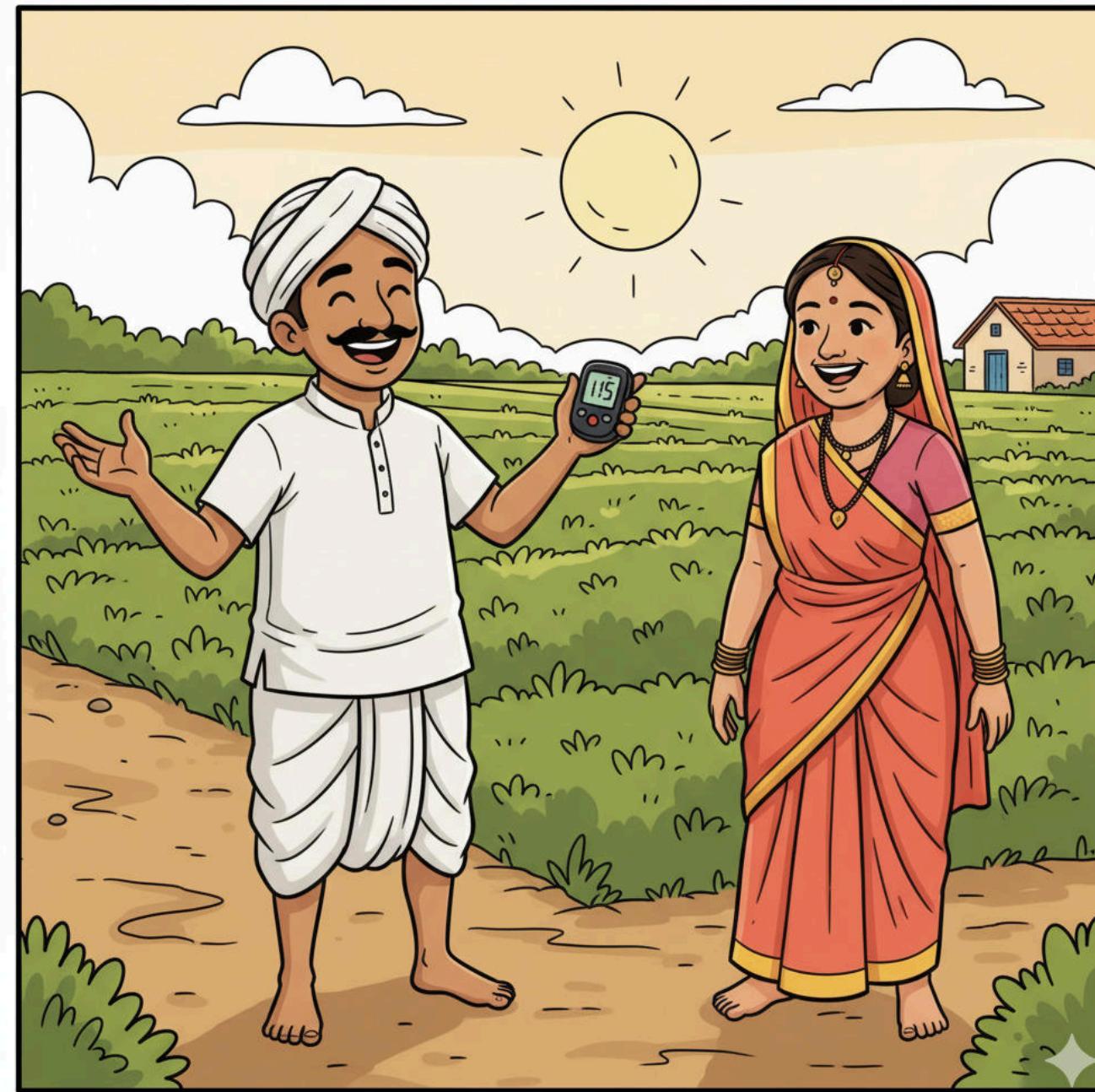
एँज़ि बौजै कौइ तेसरी हालत ज़ादा
खौराब औन्द लागी । औज़ि तेसके
आखौउं कौइ दुँदलौ दिश्दै लागौ औज़ि
बांगणै बौरी दुखदै लागै । तैबै तेसके
आपड़ी गौलती रौ ऐसास उवौ ।



रामलालोइ तेतबासियै डौकटर री सौला
नी, तैबै जेशौ तेसारी डौकटरेइ बोलौ
तिणी तेशौइ कियौ। तिणी आपड़े खाणै
पिणे दि बौरी बौदलाव कियौ।



तिणी मीठै कौइ पुरौ पौरेज़ कियौ।
आज़ि रातिकै सेउ रोज़ गुम्दै डै थौ
आज़ि योगा बी कौरै थौ। आज़ि खाणे
दि सेउ रोटी औरै शाग आज़ि दाळ
खायै थौ।



ਕੁਛਿ ਈ ਮੀਨੇ ਦਿ ਰਾਮਲਾਲ ਰੀ ਸੇਹਤ ਦਿ
ਸੁਦਾਰ ਆਨਦੇ ਲਾਗੀ ਗੋਓਂ ਥੋਂ। ਔਜ਼ਿ
ਤੇਸਰੈ ਖੁਨ ਦਿ ਗੁਲਕੋੜ ਰੀ ਮਾਤਰਾ ਠੀਕ
ਔਈ ਗੋਓਂ ਥੋਂ। ਔਜ਼ਿ ਸੇਤ ਏਥੈ
ਡੋਖਰਾਉਂਦਿ ਕੀ ਕਾਮ ਕੌਰਦੈ ਲਾਗੀ ਗੋਓਂ
ਥੋਂ।



रामलालेझ बोलौ कि आमारौ शैरीरेझ
हमेशाझ स्वस्थ थैणे खी आपड़े खान
पान दि ज़ादा दियान देणनै चाइं औज़ि
तिणी गाउँ रै लोगु आरी बी बोलौ कि
डाइबिटिझ रौ इलाज़ औई सौकै । तिणी
एउ साबित बी कियौ ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्द कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,, धन्यवाद ,,,,,,,

